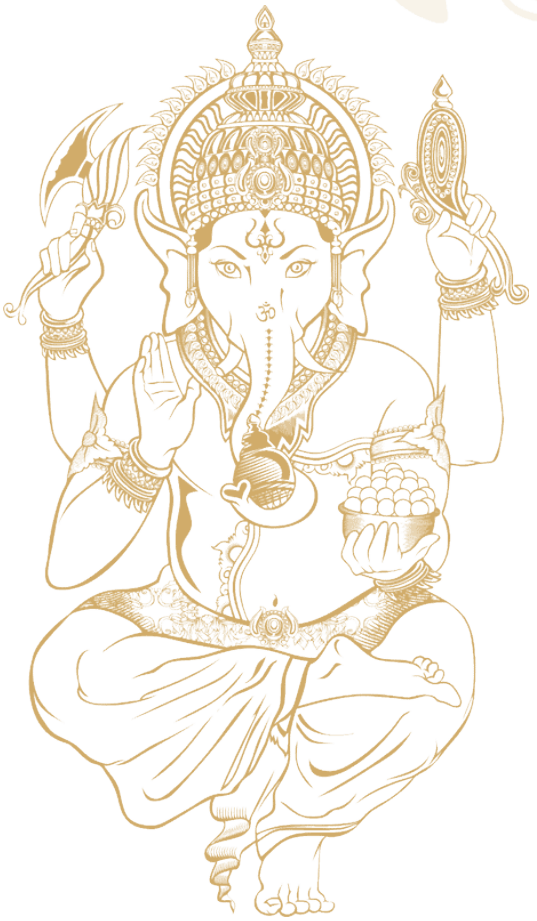

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121586813

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/12/2002	जन्म तिथि	21-22/12/2003
बुध-गुरुवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	00:30:00 घंटे
घटी 56:34:03	जन्म समय(घटी)	43:49:42 घटी
India	देश	India
Datia	स्थान	Jhansi
25:41:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
78:28:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:08	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:22	सूर्योदय	06:57:13
17:26:15	सूर्यास्त	17:30:04
23:53:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 5मा 4दि	06:58:23	वृश्चि	लग्न	कन्या	09:15:12	शनि 5वर्ष 5मा 24दि
शनि	25:52:50	वृश्चि	सूर्य	धनु	05:34:44	बुध
18/05/2007	29:38:30	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	12:49:10	15/06/2009
18/05/2026	12:47:35	तुला	मंगल	मीन	09:08:49	15/06/2026
शनि 21/05/2010	10:53:27	धनु	बुध व	धनु	17:02:28	बुध 12/11/2011
बुध 28/01/2013	24:07:05	कर्क व	गुरु	सिंह	24:42:59	केतु 08/11/2012
केतु 09/03/2014	13:34:40	तुला	शुक्र	मक	06:43:55	शुक्र 09/09/2015
शुक्र 08/05/2017	02:10:35	मिथु व	शनि व	मिथु	16:40:41	सूर्य 15/07/2016
सूर्य 20/04/2018	14:43:25	वृष	राहु व	मेष	26:02:11	चन्द्र 15/12/2017
चन्द्र 20/11/2019	14:43:25	वृश्चि	केतु व	तुला	26:02:11	मंगल 12/12/2018
मंगल 28/12/2020	01:36:48	कुंभ	हर्ष	कुंभ	05:45:59	राहु 30/06/2021
राहु 04/11/2023	15:03:09	मक	नेप	मक	17:27:10	गुरु 06/10/2023
गुरु 18/05/2026	23:38:13	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	26:12:34	शनि 15/06/2026

लग्न-चलित

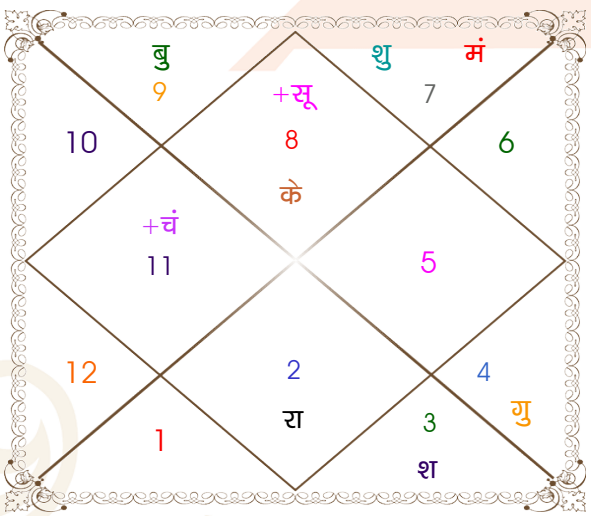

लग्न-चलित

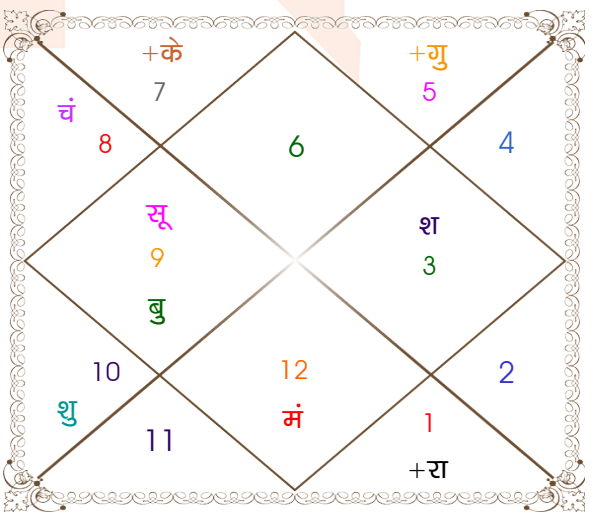

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।